vinetur

2026 में दक्षिण अमेरिकी वाइनरी पर तीन अलग-अलग दबाव

नई रिपोर्ट में अर्जेंटीना की सितंबर बिक्री में 4.7% गिरावट, चिली के निर्यात में मंदी और उरुग्वे की फसल में 13.2% बढ़ोतरी को क्षेत्रीय मार्जिन पर दबाव की वजह बताया गया है

गुरुवार, 12 नवंबर 2026



दक्षिण अमेरिका का वाइन उद्योग एक साथ तीन अलग-अलग दबावों से गुजर रहा है : अर्जेंटीना में घरेलू मांग कमजोर है, चिली में निर्यात मांग घटी है और बड़ी फसल के बाद उरुग्वे में भंडार बढ़ गया है। इन स्थितियों का मिला-जुला संकेत है कि क्षेत्र की वाइनरियां असमान खपत, आपूर्ति की बिक्री में बढ़ती कठिनाई और मार्जिन पर बढ़ते दबाव से जूझ रही हैं।

बुधवार, 11 नवंबर को प्रकाशित WineMag.it की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2026 के नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि दबाव किसी एक बाजार या वाइन की किसी एक श्रेणी तक सीमित नहीं है। इसके बजाय, एक ही उद्योग के भीतर तीनों देशों की समस्याएं अलग-अलग हैं, जिसके चलते उत्पादकों को बिक्री योजनाओं, उत्पाद मिश्रण और बाजार रणनीतियों में बदलाव करना पड़ रहा है।

अर्जेंटीना में दबाव की मुख्य वजह घरेलू बाजार है। सितंबर 2026 में घरेलू बिक्री के लिए वाइन की कुल आपूर्ति 707,145 हेक्टोलिटर रही, जो सितंबर 2025 की तुलना में 4.7% कम थी। यह गिरावट साल के पहले नौ महीनों के रुझान से अधिक थी। इस अवधि में घरेलू बिक्री 0.2% घटकर 5.48 मिलियन हेक्टोलिटर रह गई। इससे संकेत मिलता है कि पूरे साल की तस्वीर अकेले सितंबर के आंकड़े से अधिक स्थिर है, लेकिन महीने के दौरान आई सुस्ती फिर भी उल्लेखनीय थी।

अर्जेंटीना में कमजोरी सभी श्रेणियों में एक जैसी नहीं थी। वैरायटल वाइन में सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई : सितंबर में 14.3% और जनवरी से सितंबर के बीच 18.1%। बिना वैरायटल संकेत वाली वाइन की बिक्री सितंबर में 0.2% घटी। वहीं, स्पार्कलिंग वाइन में 3.6% और अन्य श्रेणियों में 13.4% की वृद्धि हुई।

उपभोक्ता मांग में रंग के आधार पर भी अंतर दिखा। सितंबर में व्हाइट वाइन की बिक्री 8% बढ़ी, जबकि रेड और रोज़े वाइन 9.3% घटीं। इससे संकेत मिलता है कि बाजार में सभी श्रेणियों में गिरावट नहीं है, बल्कि श्रेणियों के भीतर बदलाव हो रहा है और कुछ सेगमेंट पर दूसरों की तुलना में अधिक दबाव है।

चिली में मुख्य समस्या बाहरी मांग की है। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से सितंबर 2026 के बीच बोतलबंद वाइन का निर्यात मात्रा के लिहाज से 5.3% और मूल्य के लिहाज से 5.2% घटा। यह गिरावट निर्यात में व्यापक सुस्ती का हिस्सा है। WineMag.it ने चिली के कृषि कार्यालय Odepa की अक्टूबर की बुलेटिन का हवाला दिया, जिसके मुताबिक इसी अवधि में कुल वाइन निर्यात मात्रा में 8.8% और मूल्य में 6.4% कम हुआ।

बल्क वाइन पर दबाव और भी अधिक था। इस श्रेणी में विदेश भेजी गई मात्रा 11.4% घटी, जो दिखाता है कि मुश्किल केवल प्रीमियम या ब्रांडेड चैनलों तक सीमित नहीं है। आंकड़े बताते हैं कि उपलब्ध आपूर्ति की खपत कराना अब भी कठिन है, खासकर बाजार के उन हिस्सों में जो बड़े पैमाने के व्यापारिक प्रवाह पर निर्भर हैं।

चिली का निर्यात प्रदर्शन गंतव्य बाजारों के हिसाब से भी असमान रहा। ब्राजील, यूनाइटेड किंगडम और रूस में बोतलबंद वाइन की बिक्री बढ़ी, जबकि अमेरिका, चीन और जापान में घटी। यही अंतर समझाता है कि उत्पादक वैश्विक मांग में एक ही बार में सुधार पर निर्भर रहने के बजाय बाजारों में विविधता लाने की कोशिश कर रहे हैं।

WineMag.it के अनुसार, चिली की कंपनियां नए बाजार तलाशने के साथ-साथ अपनी व्यावसायिक रणनीति भी बदल रही हैं। इन कदमों में वाइन पर्यटन में निवेश, अधिक चुना हुआ ब्रांड पोर्टफोलियो और अधिक ताज़ा, हल्की तथा कम अल्कोहल वाली वाइन पर जोर शामिल है। इनमें अल्कोहल-मुक्त विकल्प भी हैं। यह बदलाव उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को दर्शाता है और बताता है कि वाइनरियां केवल वाइन के भीतर ही नहीं, बल्कि व्यापक पेय बाजार में प्रतिस्पर्धा के जवाब में भी कदम उठा रही हैं। इस बाजार में पहले की तुलना में कम-अल्कोहल और अल्कोहल-मुक्त विकल्प अधिक उपलब्ध हैं।

उरुग्वे एक अलग समस्या से जूझ रहा है : बाजार में आसानी से न बिक पाने वाली वाइन की मात्रा बढ़ गई है। 2026 की फसल से 70.39 मिलियन लीटर वाइन का उत्पादन हुआ, जो 2025 की तुलना में 13.2% अधिक था। इसके लिए लगभग 93.2 मिलियन किलोग्राम अंगूर का इस्तेमाल हुआ। अप्रैल में समाप्त हुई इस फसल को अनुकूल मौसम का लाभ मिला। WineMag.it की रिपोर्ट के मुताबिक, नुकसान पहुंचाने वाली बारिश न होने से अंगूरों को उनकी इष्टतम परिपक्वता पर तोड़ा जा सका और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण कभी-कभी होने वाली जल्द कटाई से बचा जा सका।

लेकिन उत्पादन में सुधार के साथ घरेलू खपत कमजोर रही और भंडार जमा होता गया। रिपोर्ट के अनुसार, उरुग्वे के मीडिया ने वाइनरी के तहखानों में बिना बिके वाइन के भंडार और व्यावसायिक कठिनाइयों का जिक्र किया है, जो कंपनियों की नकदी उपलब्धता पर दबाव डाल सकती हैं। यह इसलिए अहम है क्योंकि नकदी प्रवाह पर दबाव अगले सीजन के लिए अंगूर खरीदने के फैसलों को प्रभावित कर सकता है और वाइनरियों का दबाव अंगूर उत्पादकों तक पहुंच सकता है।

उरुग्वे में लॉजिस्टिक्स और बंदरगाह संबंधी समस्याओं को भी व्यावसायिक प्रबंधन की बाधाओं के रूप में बताया गया है, हालांकि उपलब्ध जानकारी से उनके सटीक प्रभाव का आकलन नहीं होता। सटीक अनुमान के बिना भी, बढ़े हुए उत्पादन,

कमजोर मांग और मौजूदा भंडार का मेल वाइनरियों के लिए बिक्री का माहौल कठिन होने का संकेत देता है।

तीनों बाजारों को साथ देखने पर दक्षिण अमेरिकी वाइन श्रृंखला में दबाव के अलग-अलग रूप सामने आते हैं। अर्जेंटीना में घरेलू मांग धीमी हुई है, खासकर वैरायटल वाइन की। चिली को निर्यात प्रदर्शन में कमजोरी का सामना करना पड़ रहा है और बोतलबंद तथा बल्क, दोनों तरह की खेपों में गिरावट आई है। उरुग्वे में बड़ी फसल के चलते नरम बाजार में भंडार और बढ़ गया है।

पेय क्षेत्र के लिए ये संकेत केवल वाइन तक सीमित नहीं हैं। घरेलू बिक्री में गिरावट, निर्यात चैनलों की कमजोरी और बढ़ते भंडार कीमतों, प्रचार गतिविधियों और उत्पाद विकास को प्रभावित कर सकते हैं। साथ ही, बदलती पेय आदतों वाले उपभोक्ताओं के लिए प्रतिस्पर्धा के बीच उत्पादक हल्के, कम-अल्कोहल या वैकल्पिक पेय पेश करने की ओर बढ़ सकते हैं।